लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी विक्रम संवत 2079

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 1, अंक 169 ; पृष्ठ 16 ; मूल्य: 5 रुपये

कानपुर, शनिवार, 11 फरवरी 2023

www.amritvichar.com

भारत की ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त...15

वैलेंटाइन डे पर फिर से रिलीज होगी डीडीएलजे

सार-संक्षेप

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला ने बैठक की। अमृत विचार

मिट्टी की गुणवत्ता खराब होना चिंता का विषय : डॉ अरविंद

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मिट्टी का मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गिरता हुआ मिट्टी का स्वास्थ्य चिंता का विषय है। वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रयास करने होंगे। लगभग 40 प्रतिशत व्यक्ति खनिज तत्वों की कमी से बिमार है। उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। देश में हरित क्रांति से पहले मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद थे। बाद में अधिक उत्पादन वाली प्रजातियों को उगाना शुरू किया गया, तो मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई। जिन मिट्टियों में जिंक की कमी है उनमें बुवाई से पूर्व अथवा खड़ी फसल में जिंक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल सस्य क्रियाओं के माध्यम से भी हम लोग फोर्टीफाइड उत्पाद तैयार कर सकते हैं। यहां अधिष्ठाता कृषि डॉ सीएल मौर्य, डॉ पीके सिंह, डॉ राजीव, डॉ आरके यादव, डॉ पीके राठी, डॉ आरबी सिंह, डॉ कौशल कुमार, डॉ सर्वेश कुमार मौजूद रहे।

वर्ष 17 अंक 41 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 11 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

सूक्ष्म पोषक तत्वों का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव' विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सूक्ष्म पोषक तत्व का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला रहे। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि वर्तमान में गिरता हुआ मिट्टी का स्वास्थ्य एक बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए हमको टिकाऊ विकास की ओर ध्यान देना होगा। इसके साथ-साथ हमें वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 40त व्यक्ति खनिज तत्वों की कमी से ग्रसित है। जिससे उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए हमें वर्तमान में केवल खाद्य सुरक्षा ही नहीं बल्कि पोषक तत्व सुरक्षा की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि देश में हरित क्रांति से पूर्व मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद थे लेकिन जैसे-जैसे अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों को उगाना शुरू किया गया तो मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई। अधिकांश मिट्टी में दो से अधिक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वर्तमान में है। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि जिंक एक ऐसा तत्व है जो एंजाइम की गतिविधि को नियंत्रित करता है और हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए जिन मिट्टियों में जिंक की कमी है उनमें बुवाई से पूर्व अथवा खड़ी फसल में जिंक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल सस्य क्रियाओं के माध्यम से भी हम लोग फोर्टीफाइड उत्पाद तैयार कर सकते हैं। अधिष्ठता कृषि डॉ सी एल मौर्य द्वारा अपने स्वागत संबोधन में बताया गया कि मिट्टी, पौधे और मानव में पोषक तत्व की स्थिति में एक संबंध है, यदि मिट्टी में पोषक तत्व कम है तो इसका सीधा असर मानव पर पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठता उद्यान डॉ पी के सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डॉश राजीव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डॉ0 आर0के0 यादव, डॉ पी के राठी, डॉ आर बी सिंह, डॉ कौशल कुमार, डॉ सर्वेश कुमार, डॉ संजीव शर्मा, डॉ वाई के सिंह, डॉ अनिल सचान, डॉ शमीम अहमद आदि के साथ-साथ लगभग 100 पीएचडी के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

41, एटा से प्रकाशित, शनिवार, 11 फरवरी, 2023 पृष्ठः 8

सूक्ष्म पोषक तत्वों का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव, विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सूक्ष्म पोषक तत्व का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला रहे। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि वर्तमान में गिरता हुआ मिट्टी का स्वास्थ्य एक बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए हमको टिकाऊ विकास की ओर ध्यान देना होगा। इसके साथ–साथ हमें वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 40: व्यक्ति खनिज तत्वों की कमी से ग्रसित है। जिससे उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए हमें वर्तमान में केवल खाद्य सुरक्षा ही नहीं बल्कि पोषक तत्व सुरक्षा की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि देश में हरित क्रांति से पूर्व मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद थे लेकिन जैसे–जैसे अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों को उगाना शुरू किया गया तो मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई।

अधिकांश मिट्टी में दो से अधिक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वर्तमान में है। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि जिंक एक ऐसा तत्व है जो एंजाइम की गतिविधि ा को नियंत्रित करता है और हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए जिन मिट्टियों में जिंक की कमी है उनमें बुवाई से पूर्व अथवा खड़ी फसल में जिंक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल सस्य क्रियाओं के माध्यम से भी हम लोग फोर्टीफाइड उत्पाद तैयार कर सकते हैं। अधिष्ठाता कृषि डॉ सी एल मौर्य द्वारा अपने स्वागत संबोधन में बताया गया कि मिट्टी, पौधे और मानव में पोषक तत्व की स्थिति में एक संबंध है, यदि मिट्टी में पोषक तत्व कम है तो इसका सीधा असर मानव पर पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता उद्यान डॉ पी के सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डॉव राजीव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डॉ0 आर0के0 यादव, डॉ पी के राठी, डॉ आर बी सिंह, डॉ कौशल कुमार, डॉ सर्वेश कुमार, डॉ संजीव शर्मा, डॉ वाई के सिंह, डॉ अनिल सचान, डॉ शमीम अहमद आदि के साथ–साथ लगभग 100 पीएचडी के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आज 11/02/2023

मिट्टी का स्वास्थ्य गिरना चिंतनीय

टिकाऊ विकास पर ध्यान दें किसान

कानपुर, 10 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सूक्ष्म पोषक तत्व का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में गिरता हुआ मिट्टी का स्वास्थ्य एक बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए हमको टिकाऊ विकास की ओर ध्यान देना होगा। इसके साथ-साथ हमें वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 40 प्रतिशत व्यक्ति खनिज तत्वों की कमी से ग्रसित है। जिससे उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए हमें वर्तमान में केवल खाद्य सुरक्षा ही नहीं बल्कि पोषक तत्व सुरक्षा की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि देश में हरित क्रांति से पूर्व मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद थे लेकिन जैसे-जैसे अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों को उगाना शुरू किया गया तो मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई। अधिकांश मिट्टी में दो से अधिक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वर्तमान में है। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि जिंक एक ऐसा तत्व है जो एंजाइम की गतिविधि को नियंत्रित करता है और हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए जिन मिट्टियों में जिंक की कमी है उनमें बुवाई से पूर्व अथवा खड़ी फसल में जिंक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल सस्य क्रियाओं के माध्यम से भी हम लोग फोर्टीफाइड उत्पाद तैयार कर सकते हैं। अधिष्ठाता कृषि डॉ सी एल मौर्य द्वारा अपने स्वागत संबोधन में बताया गया कि मिट्टी, पौधे और मानव में पोषक तत्व की स्थिति में एक संबंध है, यदि मिट्टी में पोषक तत्व कम है तो इसका सीधा असर मानव पर पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता उद्यान डॉ पी के सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डॉश्र राजीव द्वारा किया गया।

बाबा विश्वनाथ धाम बनाने की सपा की योजना थी... 10

आत्मा की शुद्धि के लिए योग जरूरी: राष्ट्रपति 12

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 121
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 11 फरवरी, 2023

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

मोटे अनाज के उत्पादन के बारे में किया जा रहा जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। भारत के दिए गए सुझाव पर वर्ष 2023 को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इस सुझाव की स्वीकृति संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 मार्च 2021 को दी गई थी। कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर द्वारा बीते दिन शुक्रवार को आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बैरी सवाई, विकास खण्ड मैथा में किया गया। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों अरुणा, सत्यवती, गीता, सरला, एवं कुशमा सहित 20 महिलाएं मौजूद रहीं।

वर्ष 17 अंक 41 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 11 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

कुपोषण निवारण हेतु मोटे अनाज विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि वर्ष 2023 को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसका प्रस्ताव भारत ने दिया था और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसका अनुमोदन किया था। भारत के इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 मार्च 2021 को अपनी स्वीकृति दी थी। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

भारत में एशिया का लगभग 80 प्रतिशत और विशे व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बैरी सवाई, विकास खण्ड मैथा में किया गया। कार्यक्रम में केंद्र की वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया मोटे अनाजो में मिनरल, विटामिन, एंजाइम और इन सॉल्युबल फाइबर के साथ-साथ मैक्रो और माइक्रो जैसे पोषक तत्व भी भारी मात्रा में मौजूद होते हैं। इसके अलावा मोटे अनाजों में बीटा-कैरोटीन, नाइसिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ता जैसे खनिज लवण भी पाए जाते हैं। मोटे अनाज खाने के फायदे के बारे में चर्चा करते हुए डॉ अवस्थी ने कहा की इनके द्वारा हड्डियों की मजबूती मिलती है , कैल्शियम की कमी से बचाव होता है, पाचन दुरुस्त करने में मददगार, वजन को कंट्रोल रखने में सहायक है,एनीमिया का खतरा कम होता है, डायबिटीज रोगियों के लिए लाभकारी, शरीर को रखता है गर्म, दिल के लिए भी अच्छे होते हैं। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ पुष्पा देवी गृह वैज्ञानिक ने कहा कि अनाज डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों को दूर करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। आसानी से फैल रही संक्रामक बीमारियों की एक वजह संतुलित और पोषक आहार की कमी है, जो इम्यूनिटी को कमजोर बनाती है। मोटे अनाज से शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है।आंखों की सेहत के लिए कैरोटीन अच्छा माना जाता है। 100 ग्राम बाजरे में 132 मिलीग्राम कैरोटीन पाया जाता है। अतः हमारी थाली से जो मोटा अनाज गायब होगया है, उसे थाली में दोबारा स्थान दें।कार्यक्रम में मैथा ब्लॉक की 20 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों अरुणा, सत्यवती, गीता, सरला, एवम कुशमा के साथ 20 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 11 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

एक नजर

पर्वतपुर मार्ग पर गश्त पर थे इसी बीच अपना नाम ठाकुर प्रसाद पुत्र अपरोधी है ... मुख्यअतिथि जिला कमिश्नर गाइड कांत स्कूल के प्रबंधक नफीसा खातून बने लोग मौजूद रहे।

सूक्ष्म पोषक तत्वों का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव, विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान संपन्न

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सूक्ष्म पोषक तत्व का मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला रहे। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि वर्तमान में गिरता हुआ मिट्टी का स्वास्थ्य एक बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए हमको टिकाऊ विकास की ओर ध्यान देना होगा। इसके साथ-साथ हमें वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 40त्र व्यक्ति खनिज तत्वों की कमी से ग्रसित है। जिससे उनके विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए हमें वर्तमान में केवल खाद्य सुरक्षा ही नहीं बल्कि पोषक तत्व सुरक्षा की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि देश में हरित क्रांति से पूर्व मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद थे लेकिन जैसे-जैसे अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों को उगाना शुरू किया गया तो मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई।

अधिकांश मिट्टी में दो से अधिक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वर्तमान में है। डॉ0 शुक्ला द्वारा बताया गया कि जिंक एक ऐसा तत्व है जो एंजाइम की गतिविधि को नियंत्रित करता है और हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए जिन मिट्टियों में जिंक की कमी है उनमें बुवाई से पूर्व अथवा खड़ी फसल में जिंक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल सस्य क्रियाओं के माध्यम से भी हम लोग फोर्टीफाइड उत्पाद तैयार कर सकते हैं।

अधिष्ठाता कृषि डॉ सी एल मौर्य द्वारा अपने स्वागत संबोधन में बताया गया कि मिट्टी, पौधे और मानव में पोषक तत्व की स्थिति में एक संबंध है, यदि मिट्टी में पोषक तत्व कम है तो इसका सीधा असर मानव पर पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता उद्यान डॉ पी के सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डॉ राजीव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डॉ0 आर0के0 यादव, डॉ पी के राठी, डॉ आर बी सिंह, डॉ कौशल कुमार, डॉ सर्वेश कुमार, डॉ संजीव शर्मा, डॉ वाई के सिंह, डॉ अनिल सचान, डॉ शमीम अहमद आदि के साथ-साथ लगभग 100 पीएचडी के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।